NEWSLETTER

Saturday, 31 August 2024 | Volume - 113

Interview | Cotton Weekly Physical chart | Share Market Update | Important News

Cotton crop in crisis after heavy rains in Gujarat, farmers suffer huge losses.

GOLD :71651
SILVER : 85248
CRUDE OIL : 6201

Cotton crop in crisis after heavy rains in Gujarat, farmers suffer huge losses.

The recent heavy rains in many districts of Saurashtra, South Gujarat, and Central Gujarat in Gujarat have badly affected the cotton crop. Flood-like conditions have arisen in many areas, due to which the cotton crops standing in the fields have been submerged. Due to this, farmers are facing huge losses.

According to farmer Jalpesh ji of Manavdar village, the roots of the cotton crop have started rotting due to prolonged waterlogging in the fields, and if the sun comes out immediately after the rain, the situation may worsen further. The water will evaporate rapidly due to sunlight, which can weaken the plants and cause further damage to the crop.

Experts say that fungus and bacteria are growing due to excess moisture in the cotton ball (Gulli). This moisture will evaporate due to sunlight, but the chances of the already affected ball rotting increases, which can affect the quality and production of cotton.

The weather department has predicted more rain in the coming days, which may worsen the situation. This time remains challenging for the farmers, and there is a dire need for proper drainage system and regular monitoring of the crop.

Cotton prices rise: This condition of the cotton crop has also affected the market. Cotton prices have increased from ₹ 1,200 to ₹ 1500 per candy in the last few days. The main reason for this is the lack of supply of cotton, less sowing, and the possibility of late arrival of crops in the market. Cotton prices have also increased on the Intercontinental Exchange, due to which prices have also increased in the domestic market.

Need to take timely steps: In view of the increasing outbreak of pests and diseases, farmers are being advised to use appropriate chemicals on time. Also, damage can be reduced by drainage of water and regular monitoring of the crop.

Conclusion: Cotton growers of Gujarat are suffering huge losses due to heavy rains and floods. In such a situation, there is a need for assistance from the state and central governments so that farmers can be rescued from this crisis.

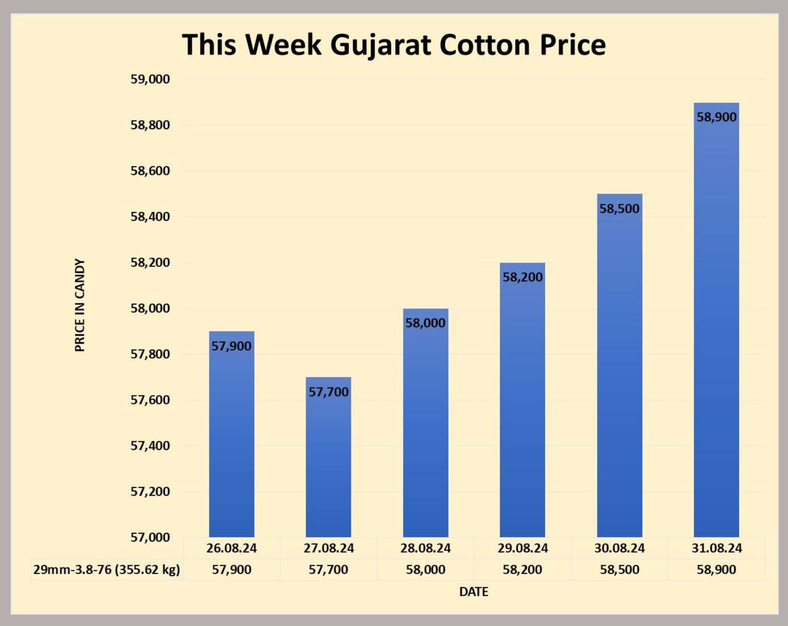

Atul Ganatra, president of the Cotton Association of India, attributed the price hike to cotton shortages, tight balance sheets and reduced sowing. Closing stocks for the 2023-24 season are expected to fall below 20 lakh bales.

The recent rise in ICE cotton futures from 66.35 to 70.35 cents per pound has also impacted local prices. Sowing for the 2024-25 season is down 9% compared to last year, with notable declines in key states like Gujarat and Maharashtra.

He further said heavy rains in Gujarat and Maharashtra have caused waterlogging, which may damage crops. While some traders expect this to have a negative impact on the crop, others believe the overall impact of the rains could be beneficial. Despite concerns over crop damage, high demand and delayed arrivals are expected to support cotton prices in the near term.

Download Our App "SIS CONNECT" For Daily Updates. CLICK HERE

FOR MORE INFORMATION
CONTACT - +91 - 91119 77775

कॉटन मार्केट की साप्ताहिक हलचल पर एक नजर

SMART INFO SERVICES			
CALL : 91116 77771			
WEEKLY CHART 31.08.2024			
ICE COTTON			
MONTH	23.08.24	30.08.24	WEEKLY CHANGE
DEC	70.91	69.99	-0.92
MAR'25	72.28	71.65	-0.63
MAY	73.38	72.87	-0.51
MCX (COTTON)			
SEP	57700	58000	300
NCDEX (KAPAS)			
APRIL	1597	1610	13
NCDEX (COCUD KHAL)			
SEPT	3345	3532	187
DEC	2919	2945	26
JAN	2891	2939	48
SMART INFO SERVICE		CALL : 91116 77771	
CURRENCY ($)			
INDIAN (Rupee)	83.89	83.86	-0.03
PAK (Pakistani Rupee)	278.61	278.57	-0.04
CNY (Chinese yuan)	7.12448	7.09007	-0.03441
BRAZIL (Real)	5.48617	5.61043	0.12426
AUSTRALIAN Dollar	1.47209	1.47844	0.00635
MALAYSIAN RINGGITS	4.37589	4.31999	-0.0559
COTLOOK "A" INDEX	80.75	81.20	0.45
BRAZIL COTTON INDEX	72.48	68.63	-3.85
USDA SPOT RATE	64.90	63.97	-0.93
MCX SPOT RATE	57180	58400	1220
KCA SPOT RATE (PAKISTAN)	17800	18700	900
GOLD ($)	2546.30	2527.60	-18.7
SILVER ($)	29.820	29.143	-0.677
CRUDE ($)	74.83	73.55	-1.28

इस सप्ताह, इंटरनेशनल मार्केट मे मिलाजुला वाला माहौल रहा।

इंटरकांटिनेंटल कॉटन एक्सचेंज के भाव दिसंबर 0.92 सेंट, मार्च 0.63 एवं मई 0.51 सेंट तक गिरे।

भारतीय बाजार MCX पर कॉटन के दाम में सितम्बर माह में 300 रुपऐ की बढ़त देखने को मिली।
NCDEX पर कपास के भाव 13 रूपए प्रति 20 किलो तक बढ़े, वहीं खल के भाव देखे तो सितम्बर माह में 187 रुपए, दिसंबर माह में 26 रुपए, और जनवरी माह में 48 रुपए प्रति क्विंटल की बढ़त दर्ज की गई।

अन्य देशों के कॉटन मार्केट पर नजर करें तो कॉटलुक "ए" इंडेक्स में बढ़त देखी गई, USDA स्पॉट रेट 0.93 सेंट गिरा, वही MCX स्पॉट रेट में 1220 रुपए प्रति कैंडी भाव में बढ़त देखने को मिली।

देश भर के प्रमुख कपास उत्पादक राज्यों में इस सप्ताह कपास की आवक

SMART INFO SERVICES						
ALL INDIA COTTON WEEKLY ARRIVAL						
CALL : 91116 77771						
STATE	26.08.24	27.08.24	28.08.24	29.08.24	30.08.24	31.08.24
PUNJAB	-	-	-	-	-	-
HARYANA	-	-	-	-	-	-
UPPER RAJASTHAN	-	-	-	-	-	-
LOWER RAJASTHAN	-	-	-	-	-	-
NORTH ZONE	-	-	-	-	-	-
GUJRAT	-	-	-	-	-	-
MADHYA PRADESH	-	-	-	-	-	-
MAHARASHTRA	1,000	2,000	2,000	2,000	2,000	2,000
CENTRAL ZONE	1,000	2,000	2,000	2,000	2,000	2,000
KARNATAKA	1,500	1,500	1,500	1,500	1,400	1,000
ANDHRA PRADESH	1,000	100	1,000	1,000	1,000	-
TELANGANA	100	100	100	100	-	-
TAMILNADU	-	-	-	-	-	-
SOUTH ZONE	2,600	1,700	2,600	2,600	2,400	1,000
ODISHA	-	-	-	-	-	-
TOTAL	3,600	3,700	4,600	4,600	4,400	3,000
ARRIVAL IN 170 Kg.						

महाराष्ट्र में नए सीजन से पहले कपास की कीमतों में बढ़ोतरी

नये सीजन से पहले महाराष्ट्र में कपास की कीमतें बढ़ जाती हैं।

नए कपास सीजन की शुरुआत से पहले, पिछले 15 दिनों में कपास की कीमतों में लगभग 3 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की गई है। वर्तमान में देश में कपास का उपलब्ध स्टॉक घट गया है, और कपास की खेती में भी लगभग 10 प्रतिशत की कमी आई है। इसके साथ ही, गुजरात और महाराष्ट्र में बारिश से फसलों को नुकसान पहुंचा है, जिससे बाजार में सुधार देखने को मिल रहा है।

भारत में नया कपास सीज़न अक्टूबर में शुरू होता है, जबकि उत्तरी राज्यों में कपास की आवक सितंबर से ही शुरू हो जाती है, क्योंकि वहां कपास की खेती पहले शुरू हो जाती है। आमतौर पर नए सीजन से पहले, ऑफ-सीज़न के दौरान कपास की कीमतें ऊंची रहती हैं, लेकिन नए माल के बाजार में आने से पहले कीमतें नरम पड़ने लगती हैं, क्योंकि सप्लाई बढ़ जाती है।

इस साल, हालांकि, कई कारणों से ऑफ-सीज़न के दौरान बाजार में गिरावट देखी गई। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कपास की कीमतें पिछले चार साल के निचले स्तर पर पहुंच गईं, जिससे घरेलू बाजार में भी दबाव बना। लेकिन, अंतरराष्ट्रीय बाजार की तुलना में भारत में कपास की कीमतें स्थिर रहीं, जो 6,800 रुपये से 7,300 रुपये के बीच रहीं। इसका मुख्य कारण देश में आपूर्ति का कम होना था, जिससे कीमतों में स्थिरता बनी रही।

पिछले तीन महीनों से कपास बाजार में लगातार दबाव बना हुआ था, जिससे नए सीजन को लेकर चिंता बढ़ गई थी। आमतौर पर, ऑफ-सीजन में कीमतें बढ़ती हैं, लेकिन इस साल कीमतों में गिरावट आई, जिससे बाजार में अनिश्चितता बनी रही। हालांकि, तीन प्रमुख कारणों से पिछले दो हफ्तों में कपास की कीमतों में सुधार हुआ है, जिससे सीजन की शुरुआत सकारात्मक रही।

कपास का स्टॉक कम होना

देश में फिलहाल कपास का स्टॉक कम है। पिछले सीजन में उत्पादन कम हुआ, जबकि घरेलू उद्योगों की खपत बढ़ी और निर्यात भी लगभग 28 लाख गांठ होने का अनुमान है। अनुमान है कि इस साल नए सीजन में केवल 20 लाख गांठ कपास ही बचेगी। यदि बारिश के कारण नई कपास की आवक में देरी हुई, तो कपास की कमी और बढ़ सकती है।

खेती में कमी

पिछले साल की तुलना में कपास की खेती लगभग 10 प्रतिशत कम हुई है। पंजाब, हरियाणा और राजस्थान जैसे उत्तरी राज्यों में खेती में काफी कमी आई है। इसके अलावा, गुजरात और महाराष्ट्र में भी कपास का रकबा घटा है। पिछले सीजन में देश में 122 लाख हेक्टेयर में कपास की खेती हुई थी, जो इस साल घटकर 111 लाख हेक्टेयर रह गई है। खेती में गिरावट से उत्पादन कम होगा, जिससे कीमतों को समर्थन मिला है।

झमाझम बारिश

हाल के दिनों में गुजरात और महाराष्ट्र के कई महत्वपूर्ण कपास उत्पादक क्षेत्रों में भारी बारिश हुई है, जिससे फसल को नुकसान पहुंचा है। मध्य प्रदेश के कुछ हिस्सों में भी यही स्थिति है। कम बुआई और फसल के नुकसान के कारण बाजार पहले से ही प्रभावित हुआ है। इसके अलावा, सितंबर में भी अच्छी बारिश का अनुमान है, जिससे कपास की फसल पर असर पड़ सकता है। इन सभी कारणों से बाजार में कीमतों में सुधार देखा जा रहा है।

TOP 5 NEWS OF THE WEEK

भारत का कपड़ा निर्यात 2025-26 तक 65 बिलियन डॉलर तक पहुंचने वाला है: इन्वेस्ट इंडिया

भारत का कपड़ा उद्योग महत्वपूर्ण वृद्धि के लिए तैयार है, इन्वेस्ट इंडिया की एक रिपोर्ट के अनुसार, वित्तीय वर्ष 2025-26 तक निर्यात 65 बिलियन डॉलर तक पहुंचने का अनुमान है। यह आशावादी पूर्वानुमान घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय दोनों बाजारों में मजबूत मांग द्वारा संचालित क्षेत्र के मजबूत विस्तार को रेखांकित करता है।

हरयाणा में कपास की फसल पर पत्ता लपेट बीमारी का हमला

उचाना। कपास की फसल में पत्ता लपेट बीमारी फैलने से किसानों में उत्पादन कम होने की चिंता बढ़ गई है। इस बीमारी के कारण फसल के टिंडे में कीड़े लगने शुरू हो जाते हैं, जिससे टिंडे के अंदर की कपास खराब होने लगती है। नतीजतन, फसल का उत्पादन बुरी तरह से प्रभावित हो सकता है। इस बीमारी से बचाने के लिए किसान महंगे स्प्रे और कीटनाशकों का इस्तेमाल करने के लिए मजबूर हो गए हैं।

महाराष्ट्र में कम आपूर्ति, कम बुवाई और देरी से फसल आने के बीच कपास की कीमतों में उछाल

कम आपूर्ति, कम खरीफ बुवाई और गुजरात तथा महाराष्ट्र जैसे प्रमुख उत्पादक राज्यों में फसल की संभावनाओं को प्रभावित करने वाली लगातार बारिश की रिपोर्ट के कारण हाल ही में कपास की कीमतों में उछाल आया है। पिछले दो हफ़्तों में हाजिर कीमतों में ₹1,500-2,000 प्रति कैंडी (356 किलोग्राम) की वृद्धि हुई है, जो 2.5-3 प्रतिशत की वृद्धि को दर्शाता है। व्यापार विशेषज्ञों को उम्मीद है कि कीमतें स्थिर रहेंगी, अत्यधिक बारिश के कारण आवक में 15-30 दिनों की देरी हो सकती है।

कटाई से पहले गुजरात की कपास और मूंगफली की फसल को खराब मौसम का खतरा

भारत के प्रमुख कपास और मूंगफली उत्पादक राज्य गुजरात को फसल कटाई के मौसम के करीब आने के साथ ही लगातार भारी बारिश और आने वाली तेज़ हवाओं से गंभीर खतरा है। इन प्रतिकूल मौसम स्थितियों के कारण बाढ़ आ सकती है, जिससे क्षेत्र की प्रमुख फसलें खतरे में पड़ सकती हैं।

लगातार बारिश के बाद अबोहर में बाढ़, कपास किसानों को फसल के नुकसान की आशंका

पिछले 24 घंटों से लगातार बारिश के कारण अबोहर शहर और उसके पड़ोसी गांवों में भारी जलभराव हो गया है, जिससे उप-मंडल प्रशासनिक परिसर सहित कई इलाकों में भयंकर जलभराव हो गया है। इस स्थिति ने किसानों को कपास की फसल को लेकर गहरी चिंता में डाल दिया है, क्योंकि कई खेत अब जलमग्न हो गए हैं।

इस सप्ताह, रुई बाजार में बढ़त वाला माहौल देखा गया

इस सप्ताह, रुई बाजार में बढ़त वाला माहौल देखा गया।

नार्थ झोन के पंजाब, हरियाणा और अपर राजस्थान राज्य में 20 रुपए प्रति मंड तक की बढ़त दर्ज की गई।

सेंट्रल झोन के गुजरात, मध्यप्रदेश राज्य, महाराष्ट्र राज्य में 1200 -1500 रुपए प्रति कैंडी की बढ़त देखि गई।

साउथ झोन के ओड़िशा, कर्णाटक,आँध्रप्रदेश और तेलंगाना राज्य में 700-1200 रुपए प्रति कैंडी तक बढ़त नज़र आयी।

SMART INFO SERVICES
india.smartinfo@gmail.com
Call : 91116 77771

DATE: 31.08.2024

WEEKLY COTTON BALES MARKET

STATE	STAPLE LENGTH	26.08.2024		31.08.2024		CHANGE
		LOW	HIGH	LOW	HIGH	
NORTH ZONE						
PUNJAB	28.5	5,720	5,730	5,725	5,750	20
HARYANA	27.5/28	5,625	5,625	5,625	5,625	0
UPPER RAJASTHAN	28	5,400	5,730	5,450	5,750	20
CENTRAL ZONE						
GUJARAT	29	55,500	57,200	57,200	58,600	1,400
MADHYA PRADESH	29	57,500	57,700	58,800	59,200	1,500
MAHARASHTRA	29+ vid.	56,800	57,800	58,500	59,000	1,200
SMART INFO SERVICES CALL : 91116 77771						
SOUTH ZONE						
ODISHA	29.5+	57,900	58,000	59,000	59,100	1,100
KARNATAKA	29.5+	58,000	58,300	58,500	59,000	700
ANDHRA PRADESH	29 mic 4+	57,000	57,500	58,000	58,500	1,000
TELANGANA	29.5/30 mm 78-80 RD	58,200	58,800	59,300	60,000	1,200

NOTE : There may be some changes in the rate depending on the quality.
Punjab, Haryana and Rajasthan rates in maund the rest in Candy

NEWSLETTER

शनिवार, 31 अगस्त 2024 | वॉल्यूम - 113

INTERVIEW | Cotton Weekly Physical chart | Share Market Update | Important News

गुजरात में भारी बारिश के बाद कपास की फसल पर संकट, किसानों को भारी नुकसान।

GOLD :71651
SILVER : 85248
CRUDE OIL : 6201

गुजरात में भारी बारिश के बाद कपास की फसल पर संकट, किसानों को भारी नुकसान।

गुजरात के सौराष्ट्र, दक्षिण गुजरात, और मध्य गुजरात के कई जिलों में हाल ही में हुई भारी बारिश ने कपास की फसल को बुरी तरह प्रभावित किया है। कई क्षेत्रों में बाढ़ जैसी स्थिति उत्पन्न हो गई है, जिसके चलते खेतों में खड़ी कपास की फसलें जलमग्न हो गई हैं। इस कारण से किसानों को भारी नुकसान का सामना करना पड़ रहा है।

मनावदार गांव के किसान जलपेश जी के अनुसार , खेतों में लंबे समय तक पानी भर जाने से कपास की फसल की जड़ें सड़ने लगी हैं, और अगर बारिश के बाद तुरंत धूप निकलती है, तो स्थिति और भी बिगड़ सकती है। धूप के कारण पानी तेजी से वाष्पित होगा, जिससे पौधे कमजोर हो सकते हैं और फसल को और नुकसान हो सकता है।

विशेषज्ञों का कहना है कि कपास की बॉल (गुल्ली) में अतिरिक्त नमी के कारण फफूंद और बैक्टीरिया का विकास हो रहा है। धूप निकलने से इस नमी का वाष्पीकरण तो होगा, लेकिन पहले से ही प्रभावित बॉल सड़ने की संभावना बढ़ जाती है, जिससे कपास की गुणवत्ता और उत्पादन प्रभावित हो सकता है।

मौसम विभाग ने आने वाले दिनों में और भी बारिश की संभावना जताई है, जिससे स्थिति और गंभीर हो सकती है। किसानों के लिए यह समय चुनौतीपूर्ण बना हुआ है, और उचित जल निकासी व्यवस्था और फसल की नियमित निगरानी की सख्त आवश्यकता है।

कपास की कीमतों में उछाल: कपास की फसल की इस स्थिति का असर बाजार पर भी पड़ा है। पिछले कुछ दिनों में कपास की कीमतें ₹1,200 से ₹ 1500 प्रति कैंडी तक बढ़ गई हैं। इसका मुख्य कारण कपास की आपूर्ति में कमी, कम बुआई, और बाजार में फसलों के देर से आने की आशंका है। इंटरकॉन्टिनेंटल एक्सचेंज पर कपास की कीमतें भी बढ़ी हैं, जिससे घरेलू बाजार में भी कीमतों में उछाल देखा गया है।

समय पर कदम उठाने की जरूरत : कीट और रोगों के बढ़ते प्रकोप को देखते हुए किसानों को उचित रसायनों का समय पर उपयोग करने की सलाह दी जा रही है। साथ ही, पानी की निकासी और फसल की नियमित देखरेख से नुकसान को कम किया जा सकता है।

निष्कर्ष : भारी बारिश और बाढ़ के कारण गुजरात के कपास उत्पादकों को बड़े पैमाने पर नुकसान उठाना पड़ रहा है। ऐसे में राज्य और केंद्र सरकार की ओर से सहायता की आवश्यकता है ताकि किसानों को इस संकट से उबारा जा सके।

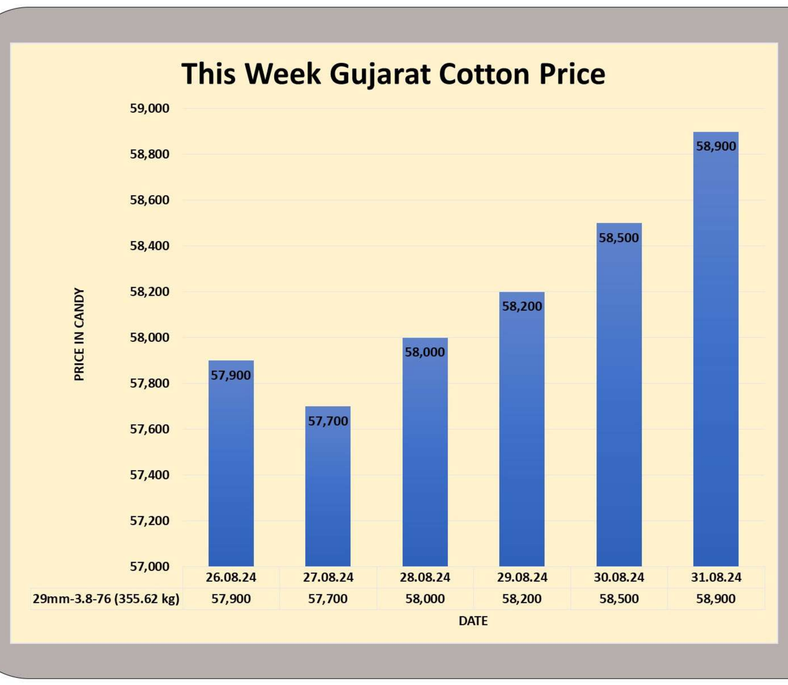

कॉटन एसोसिएशन ऑफ इंडिया के अध्यक्ष अतुल गनात्रा ने कीमतों में बढ़ोतरी के लिए कपास की कमी, तंग बैलेंस शीट और बुआई में कमी को जिम्मेदार ठहराया है। 2023-24 सीजन के लिए क्लोजिंग स्टॉक 20 लाख गांठ से नीचे गिरने की उम्मीद है।

आईसीई कॉटन वायदा में हाल ही में 66.35 से 70.35 सेंट प्रति पाउंड की बढ़ोतरी ने भी स्थानीय कीमतों को प्रभावित किया है। 2024-25 सीजन के लिए बुआई पिछले साल की तुलना में 9% कम हुई है, जिसमें गुजरात और महाराष्ट्र जैसे प्रमुख राज्यों में उल्लेखनीय गिरावट आई है।

आगे उन्होंने कहा गुजरात और महाराष्ट्र में भारी बारिश के कारण जलभराव हो गया है, जिससे फसलों को नुकसान हो सकता है। जहां कुछ व्यापारियों को उम्मीद है कि इससे फसल पर नकारात्मक प्रभाव पड़ेगा, वहीं अन्य का मानना है कि बारिश का समग्र प्रभाव फायदेमंद हो सकता है। फसल के नुकसान की चिंताओं के बावजूद, उच्च मांग और देरी से आवक से निकट भविष्य में कपास की कीमतों को समर्थन मिलने की उम्मीद है।

Download Our App "SIS CONNECT" For Daily Updates. CLICK HERE

FOR MORE INFORMATION
CONTACT - +91 - 91119 77775

A look at the weekly movement of the cotton market

SMART INFO SERVICES CALL : 91116 77771 WEEKLY CHART 31.08.2024			
ICE COTTON			
MONTH	23.08.24	30.08.24	WEEKLY CHANGE
DEC	70.91	69.99	-0.92
MAR'25	72.28	71.65	-0.63
MAY	73.38	72.87	-0.51
MCX (COTTON)			
SEP	57700	58000	300
NCDEX (KAPAS)			
APRIL	1597	1610	13
NCDEX (COCUD KHAL)			
SEPT	3345	3532	187
DEC	2919	2945	26
JAN	2891	2939	48
SMART INFO SERVICE		**CALL : 91116 77771**	
CURRENCY ($)			
INDIAN (Rupee)	83.89	83.86	-0.03
PAK (Pakistani Rupee)	278.61	278.57	-0.04
CNY (Chinese yuan)	7.12448	7.09007	-0.03441
BRAZIL (Real)	5.48617	5.61043	0.12426
AUSTRALIAN Dollar	1.47209	1.47844	0.00635
MALAYSIAN RINGGITS	4.37589	4.31999	-0.0559
COTLOOK "A" INDEX	80.75	81.20	0.45
BRAZIL COTTON INDEX	72.48	68.63	-3.85
USDA SPOT RATE	64.90	63.97	-0.93
MCX SPOT RATE	57180	58400	1220
KCA SPOT RATE (PAKISTAN)	17800	18700	900
GOLD ($)	2546.30	2527.60	-18.7
SILVER ($)	29.820	29.143	-0.677
CRUDE ($)	74.83	73.55	-1.28

This week, the international market witnessed a mixed trend.

Intercontinental Cotton Exchange prices fell by 0.92 cents in December, 0.63 cents in March and 0.51 cents in May.

Cotton prices on the Indian market MCX saw a rise of Rs 300 in the month of September.

The price of cotton on NCDEX rose by Rs 13 per 20 kg, while the price of oil cake saw a rise of Rs 187 in September, Rs 26 in December and Rs 48 per quintal in January.

If we look at the cotton market of other countries, the Cotlook "A" index saw an increase, USDA spot rate fell by 0.93 cents, while the MCX spot rate saw an increase of Rs 1220 per candy.

Cotton arrival this week in major cotton producing states across the country

SMART INFO SERVICES ALL INDIA COTTON WEEKLY ARRIVAL CALL : 91116 77771						
STATE	26.08.24	27.08.24	28.08.24	29.08.24	30.08.24	31.08.24
PUNJAB	-	-	-	-	-	-
HARYANA	-	-	-	-	-	-
UPPER RAJASTHAN	-	-	-	-	-	-
LOWER RAJASTHAN	-	-	-	-	-	-
NORTH ZONE	-	-	-	-	-	-
GUJRAT	-	-	-	-	-	-
MADHYA PRADESH	-	-	-	-	-	-
MAHARASHTRA	1,000	2,000	2,000	2,000	2,000	2,000
CENTRAL ZONE	1,000	2,000	2,000	2,000	2,000	2,000
KARNATAKA	1,500	1,500	1,500	1,500	1,400	1,000
ANDHRA PRADESH	1,000	100	1,000	1,000	1,000	-
TELANGANA	100	100	100	100	-	-
TAMILNADU	-	-	-	-	-	-
SOUTH ZONE	2,600	1,700	2,600	2,600	2,400	1,000
ODISHA	-	-	-	-	-	-
TOTAL	3,600	3,700	4,600	4,600	4,400	3,000
ARRIVAL IN 170 Kg.						

Cotton prices rise in Maharashtra ahead of new season

Cotton prices rise in Maharashtra ahead of new season.

Ahead of the start of the new cotton season, cotton prices have risen by about 3 per cent in the last 15 days. Currently, the available stock of cotton in the country has decreased, and cotton cultivation has also decreased by about 10 per cent. Along with this, crops have been damaged by rain in Gujarat and Maharashtra, due to which the market is seeing improvement.

The new cotton season in India starts in October, while the arrival of cotton in the northern states starts from September itself, as cotton cultivation starts earlier there. Usually before the new season, cotton prices remain high during the off-season, but prices start softening before the new goods come to the market, as the supply increases.

This year, however, the market witnessed a decline during the off-season due to several reasons. Cotton prices in the international market reached the lowest level in the last four years, which also put pressure on the domestic market. But, cotton prices in India remained stable compared to the international market, which ranged between Rs 6,800 and Rs 7,300. The main reason for this was the low supply in the country, which kept the prices stable.

There was constant pressure in the cotton market for the last three months, raising concerns about the new season. Usually, prices rise in the off-season, but this year prices fell, creating uncertainty in the market. However, cotton prices have improved in the last two weeks due to three major reasons, giving a positive start to the season.

Low cotton stock

The country currently has low cotton stock. Production was low last season, while consumption by domestic industries increased and exports are also estimated to be around 28 lakh bales. It is estimated that only 20 lakh bales of cotton will remain in the new season this year. If the arrival of new cotton is delayed due to rain, the shortage of cotton may increase further.

Reduction in cultivation

Compared to last year, cotton cultivation has decreased by about 10 percent. There has been a significant reduction in cultivation in northern states like Punjab, Haryana and Rajasthan. Apart from this, cotton acreage has also decreased in Gujarat and Maharashtra. Last season, cotton was cultivated in 122 lakh hectares in the country, which has come down to 111 lakh hectares this year. The decline in cultivation will reduce production, which has supported the prices.

Heavy rains

In recent days, many important cotton producing areas of Gujarat and Maharashtra have received heavy rains, causing damage to the crop. The same situation is in some parts of Madhya Pradesh. The market is already affected due to low sowing and crop damage. Apart from this, good rains are also expected in September, which may affect the cotton crop. Due to all these reasons, prices are seeing improvement in the market.

TOP 5 NEWS OF THE WEEK

India's textile exports to reach $65 billion by 2025-26: Invest India

India's textile industry is set for significant growth, with exports estimated to reach $65 billion by the financial year 2025-26, according to a report by Invest India. This optimistic forecast underlines the robust expansion of the sector driven by strong demand in both domestic and international markets.

Leaf wrap disease attacks cotton crop in Haryana

Uchana. The spread of leaf wrap disease in cotton crop has increased the concern of reduced production among farmers. Due to this disease, insects start attacking the boll of the crop, due to which the cotton inside the boll starts getting spoiled. As a result, crop production can be badly affected. To protect against this disease, farmers have been forced to use expensive sprays and pesticides.

Cotton prices jump amid low supply, low sowing and delayed harvest in Maharashtra

Cotton prices have recently jumped due to low supply, low kharif sowing and reports of incessant rains affecting crop prospects in key producing states like Gujarat and Maharashtra. Spot prices have risen by ₹1,500-2,000 per candy (356 kg) in the last two weeks, representing a 2.5-3 per cent rise. Trade experts expect prices to remain stable, as excessive rains may delay arrivals by 15-30 days.

Bad weather threatens Gujarat cotton and groundnut crops ahead of harvest

Gujarat, India's leading cotton and groundnut producing state, is facing a serious threat from incessant heavy rains and strong winds as the harvesting season approaches. These adverse weather conditions may lead to flooding, threatening key crops in the region.

Flooding in Abohar after incessant rains, cotton farmers fear crop loss

Incessant rains for the last 24 hours have led to heavy waterlogging in Abohar town and its neighbouring villages, leading to severe waterlogging in many areas including the sub-divisional administrative complex. This situation has put farmers in deep worry about the cotton crop, as many fields are now submerged.

This week, the cotton market witnessed a bullish trend

This week, cotton market witnessed bullish trend.

North Zone states of Punjab, Haryana and Upper Rajasthan witnessed a rise of up to Rs. 20 per candy.

Central Zone states of Gujarat, Madhya Pradesh, Maharashtra witnessed a rise of Rs. 1200 - Rs. 1500 per candy.

South Zone states of Odisha, Karnataka, Andhra Pradesh and Telangana witnessed a rise of Rs. 700 - Rs. 1200 per candy.

SMART INFO SERVICES
india.smartinfo@gmail.com
Call : 91116 77771

DATE: 31.08.2024

WEEKLY COTTON BALES MARKET

STATE	STAPLE LENGTH	26.08.2024		31.08.2024		CHANGE
		LOW	HIGH	LOW	HIGH	
NORTH ZONE						
PUNJAB	28.5	5,720	5,730	5,725	5,750	20
HARYANA	27.5/28	5,625	5,625	5,625	5,625	0
UPPER RAJASTHAN	28	5,400	5,730	5,450	5,750	20
CENTRAL ZONE						
GUJARAT	29	55,500	57,200	57,200	58,600	1,400
MADHYA PRADESH	29	57,500	57,700	58,800	59,200	1,500
MAHARASHTRA	29+ vid.	56,800	57,800	58,500	59,000	1,200
SMART INFO SERVICES CALL : 91116 77771						
SOUTH ZONE						
ODISHA	29.5+	57,900	58,000	59,000	59,100	1,100
KARNATAKA	29.5+	58,000	58,300	58,500	59,000	700
ANDHRA PRADESH	29 mic 4+	57,000	57,500	58,000	58,500	1,000
TELANGANA	29.5/30 mm 78-80 RD	58,200	58,800	59,300	60,000	1,200

NOTE : There may be some changes in the rate depending on the quality.
Punjab, Haryana and Rajasthan rates in maund the rest in Candy

Download Our App "SIS CONNECT" For Daily Updates. CLICK HERE

FOR MORE INFORMATION
CONTACT - +91 - 91119 77775